www.dsvv.ac.in

नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का

उन्मुखीकरण

एवं

परिचयात्मक सत्र

23 से 25 जुलाई 2024

देव संस्कृति विश्वविद्यालय,

गायत्रीकुञ्ज-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

देव संस्कृति विश्वविद्यालय

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित, आईएसओ 9001:2015 द्वारा प्रमाणित
एवं सर्वांगपूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2019 के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में पुरस्कृत संस्था

ॐ

16 जुलाई, 2024

आदरणीय भाईसाहब,

देसंविवि के नवीन शैक्षणिक सत्र : 2024-25 का श्री गणेश एक प्रेरक **ज्ञानदीक्षा संस्कार समारोह** के रूप में सम्पन्न होने जा रहा है। यह वास्तव में चयनित नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं (स्नातकोत्तर, स्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम) के व्यक्तित्व निर्माण, चरित्र निर्माण एवं संस्कृति के गौरव के प्रति जागरूक बनाने तथा उन्हें प्रेरित-प्रशिक्षित करने का एक महत्त्वपूर्ण आदर्श विधान है। यह कार्यक्रम **दिनांक 22 जुलाई, 2024** को **पूर्वाह्न 10:30 बजे मृत्युञ्जय सभागार** में सम्पन्न होगा। इस प्रेरक पल के हम सब साक्षी बनने जा रहे हैं यह अत्यन्त हर्ष का विषय है।

इस समारोह के मुख्य आकर्षण के केन्द्र होंगे- **श्रद्धेय डॉ० प्रणव पण्ड्या जी, माननीय कुलाधिपति**, देसंविवि की अध्यक्षता (ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेंगे) एवं इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे **डॉ० धनसिंह रावत जी, माननीय शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार** की सादर उपस्थिति, अद्वितीय ज्ञानदीक्षा संस्कार विधान व प्रतीक सम्मान।

अतएव नवप्रवेशी विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण (परिचयात्मक सत्र) कार्यक्रम दिनांक 23-25 जुलाई, 2024 की तिथियों में आयोजित किया जाना है। अतः इस कार्यक्रम के ओव्हरऑल कोआर्डिनेशन हेतु आपके नेतृत्व में सहयोगी सदस्यों के रूप में डॉ. ऋतुध्वज सिंह, श्री आशीष कुमार, श्री प्रखर पाल, श्री दीपक कुमार, डॉ. आरती कैवर्त्य एवं श्रीमती लालिमा बाथम को नामित किया जा रहा है।

परिचय सत्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम की रूपरेखा, प्रशिक्षण स्थल, प्रवक्ताओं के नाम आदि तैयारियों के लिए अधोहस्ताक्षरी से अवश्य सम्पर्क/चर्चा करने का कष्ट करें।

सहयोग के लिए आभार।

सादर।

प्रति कुलपति

प्रति,
डॉ० सौरभ मिश्रा जी,
ट्रेनिंग सेल, देसंविवि।

प्रतिलिपि,
डॉ. ऋतुध्वज सिंह, श्री आशीष कुमार, श्री प्रखर पाल, श्री दीपक कुमार, डॉ. आरती कैवर्त्य एवं श्रीमती लालिमा बाथम को इस आशय से सूचनार्थ कि परिचय सत्र में पूर्ण सहयोग करने का कष्ट करें।

डॉ० चिन्मय पण्ड्या
प्रति कुलपति (एम.बी.बी.एस; पी.जी.डि; एम.आर.सी. साईक-लंदन)

गायत्रीकुञ्ज-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार-249411 (उत्तराखण्ड)

दूरभाष:/ +91-9258369859 • **ई-मेल:** provc@dsvv.ac.in • **वेबसाइट:** www.dsvv.ac.in | www.awgp.org

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम (23 से 25 जुलाई, 2024)

(कार्यक्रम स्थल – दे.सं.वि.वि. कैन्टीन का द्वितीय तल)

23 जुलाई 2024 (मंगलवार)	
प्रात: 4:30	जागरण
प्रात: 5:00-5:30	ध्यान (कैंटीन के ऊपर)
प्रात: 5.30 - 6:30	- सत्र परिचय - 10 मिनट - Group formation - Volunteer Assignment - 15 मिनट - Mentor, Coordinator Information - 10 मिनट
प्रात: 6:30 - 8:30	प्रभातफेरी, यज्ञ एवं विश्वविद्यालय भ्रमण (4 ग्रुप) - (गौशाला, स्मृति उपवन, प्रज्ञेश्वर महादेव)
प्रात: 8:30 - 11:15	विश्राम तथा भोजन प्रसाद
प्रात: 11:30 - प्रात: 11:55	सामूहिक प्रार्थना (मृत्युंजय सभागार)
प्रात: 11:55 - अपराह्न 12:30	कुल गीत : देव संस्कृति विश्वविद्यालय सृजन का द्वार है सफल जीवन की दिशा धारा **(माननीय कुलपति जी द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन)**
अपराह्न 12:35- अपराह्न 1:45	अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय का परिचय (डॉक्यूमेंट्री) - 40 मिनट डॉ० ईप्सित प्रताप सिंह परिसर अनुशासन एवं आचार संहिता - 10 मिनट (डॉ० अश्विनी शर्मा एवं डॉ रूचि सिंह) सुरक्षा - 10 मिनट (डॉ० अरुणेश पाराशर)
अपराह्न 01:45- 02:00	लघु अवकाश
अपराह्न 2:00- 3:00	NCC / एन एस एस / स्काउट एवं गाइड / खेल विभाग/ संगीत एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सत्र - (10 मिनट प्रति विभाग)
अपराह्न 3:00- 3:30	Anti Ragging Policy and Grievance Redressal Cell/प्रवचन परम पूज्य गुरुदेव
अपराह्न 3:30- सायं 4:30	दे०सं०वि०वि० में विद्यार्थियों हेतु रिसर्च संबंधी एवं अन्य सुविधाएँ i. IRO + Baltic Center + SAIPR - 15 मिनट (डॉ० ज्योति मालवी/वसुंधरा सारस्वत) ii. इन्क्यूबेशन (SCIET), IIC - 10 मिनट (श्री निश्छल राय, डॉ० ज्वलंत भावसार) iii. CAIR (सेंटर फॉर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस रिसर्च) - 15 मिनट (डॉ० नील मणि) iv. याज्ञवल्क्य सेंटर फ़ॉर यज्ञ रिसर्च - 10 मिनट (डॉ० विरल पटेल, डॉ० देवाशीष)
सायं 4:30- सायं 5:30	**School of Indology** NEP-2020 के अनुसार Major, Minor, Multidisciplinary, SEC, AEC, VAC आदि का परिचय (प्रोफेसर सुखनन्दन सिंह, डॉ. सौरभ मिश्र एवं अन्य NEP समिति सदस्य)
सायं 5:30- सायं 6:15	आरती (प्रज्ञेश्वर महादेव), नादयोग साधना, Wall of Heroes पर सामूहिक राष्ट्रगान
सायं 6:15-7:45	भोजन, विश्राम

24 जुलाई 2024 (बुधवार)	
प्रात: 4:30	जागरण
प्रात: 5:00-5:30	ध्यान (कैंटीन के ऊपर)
प्रात: 5.30 - 6:00	**प्रज्ञा योग** (आत्मबोध, तत्वबोध, उपासना, साधना, आराधना), यौगिक जीवनशैली, उषापान, TTK, सूक्ष्म व्यायाम, भ्रामरी प्राणायाम, प्राणाकर्षण प्राणायाम, समयदान, अंशदान
प्रात: 6.00 - 7:00	प्रभात फेरी, यज्ञ
प्रात: 7:00- 8:00	विश्राम
प्रात: 8:00-8:30	प्रज्ञा गीत : संस्कृति रही कराह जीवन विद्या का आलोक केंद्र - देव संस्कृति विश्वविद्यालय (**माननीय कुलसचिव जी द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन)**
प्रात: 8:30-:10:00	**भ्रमण** भोजनालय- (श्री अमरेश कुमार राठी एवं श्री नन्द कुमार पाण्डेय), खेलकूद - (श्री नरेन्द्र सिंह), डाकघर एवं ATM, वेधशाला, प्राकृतिक आहार - (श्रीमती शोभना दवे), साहित्य केंद्र, पर्णकुटीर, पुस्तकालय - (डॉ० कल्पना गायकवाड़ / श्री श्रीराम सोनारे), कमर्शियल कंप्यूटर लैब - श्री भूपेंद्र मंडल, लेखा (एकाउण्ट्स) - (श्री राधेश्याम सोनी), परिसंपत्ति + CFC - (श्री सुधीर श्रीपाद एवं श्री विकास), कैंटीन - (श्री टिकेश्वर बिसेन), Health Center + Vision Center, Baltic Center + SAIPR + CAIR, स्वावलम्बन - (डॉ० टी० सी० शर्मा), आयुर्वेद एवं समग्र स्वास्थ्य विभाग, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म, धन्वंतरि वाटिका, याज्ञवल्क्य यज्ञ रिसर्च सेंटर - (डॉ० विरल पटेल , डॉ० देवाशीष), शांतिकुंज फार्मेसी, संस्कृति ट्रेवेल्स, सृजना
प्रात: 10:00- प्रात:11:15	भोजन + विश्राम
प्रात: 11:30-प्रात: 11:45	सामूहिक प्रार्थना (मृत्युंजय सभागार)
प्रात: 11:45 - अपराह्न 12:45	दे०सं०वि०वि० में विद्यार्थी कल्याणपरक सुविधाएं - छात्र कल्याण - 15 मिनट (श्रीमती नीलम शर्मा) - स्वस्थवृत्त एवं स्वास्थ्य सेवाएं - 15 मिनट (डॉ० अल्का मिश्रा एवं डॉ० निधि पटेल - Health Center + Vision Center) - स्टूडेंट क्लब - 15 मिनट (डॉ० ऋतुध्वज सिंह)
अपराह्न 12:45- अपराह्न 01:15	दे०सं०वि०वि० में शिक्षण एवं ट्रेनिंग प्राप्त करने से संबंधित जानकारी i. ईआरपी एवं अवकाश संबंधी नियम - 10 मिनट (श्री निश्छल राय) ii. परीक्षाएं - 15 मिनट (डॉ० अरुणेश पाराशर/ डॉ० संतोष विश्वकर्मा) iii. सोशल इंटर्नशिप - 10 मिनट (श्री विनय केसरी एवं टीम)
अपराह्न 01:15-अपराह्न 01:45	दे०सं०वि०वि० में ट्रेनिंग प्राप्त करने से संबंधित जानकारी i. रूपांतरण (CSGP) विभाग - 1aaaa0 मिनट (डॉ० पीयूष त्रिवेदी) ii. प्रशिक्षण एवं सेवायोजन - 10 मिनट (डॉ० आशीष कुमार) iii. देव संस्कृति कैरियर गाइडेंस केंद्र – 10 मिनट (डॉ० ईप्सित प्रताप सिंह)
अपराह्न 01:45- अपराह्न 02:00	ज्योति अवतरण साधना

अपराह्न 02:00 -अपराह्न 02:15	लघु अवकाश
अपराह्न 02:15 -अपराह्न 02:45	जीवन प्रबंधन (विश्वविद्यालय में रहन सहन व् अध्ययन के उद्देश्य से सम्बंधित शंका समाधान) - श्री संदीप कुमार
अपराह्न 03:00 - सायं 04:30	आदरणीय प्रतिकुलपति जी का वीडियो संदेश (मानव उत्कर्ष) - श्री राम अवतार पाटीदार
सायं 4:30- सायं 5:30	**School of Technology, Communication and Management** NEP-2020 के अनुसार Major, Minor, Multidisciplinary, SEC, AEC, VAC आदि का परिचय (प्रोफेसर सुखनन्दन सिंह, डॉ. सौरभ मिश्र एवं अन्य NEP समिति सदस्य)
सायं 5:30-सायं 6:15	आरती (प्रज्ञेश्वर महादेव), नादयोग साधना, Wall of Heroes - सामूहिक राष्ट्रगान
सायं 6:15-7:45	भोजन, विश्राम

25 जुलाई 2024 (गुरुवार)	
प्रात: 4:30	जागरण
प्रात: 5:00-5:30	ध्यान (कैंटीन के ऊपर)
प्रात: 5:30-6:30	प्रभात फेरी, यज्ञ
प्रात: 6:30- 10:30	ब्रह्मवर्चस भ्रमण, सड़क से गंगा दर्शन एवं सूर्योदय दर्शन, श्रद्धेया जीजी से भेंट एवं आशीर्वाद, अखण्ड दीप दर्शन, शांतिकुंज भ्रमण, भोजन प्रसाद एवं दे०सं०वि०वि० में वापसी
प्रात: 10:30- 11:15	विश्राम
प्रात: 11:30- 11:45 प्रात: 11:45- 12:45 मध्याह्न	सामूहिक प्रार्थना, (मृत्युंजय सभागार) **माननीय प्रति-कुलपति जी द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन** (मृत्युंजय सभागार)
अपराह्न 01:00-अपराह्न 02:00	एलुमनाई वीडियो मैसेज - live experience sharing
अपराह्न 02:00-अपराह्न 03:00	Quiz
अपराह्न 03:00-अपराह्न 03:30	(DSVV Shantikunj- Social Media) विद्यार्थियों का फीडबैक एवं शांति पाठ
अपराह्न 03:30 - सायं 04:30	श्रमदान + दीप यज्ञ + प्रज्ञा संकीर्तन + गायत्री आरती + गायत्री चालीसा
सायं 4:30- सायं 5:30	**School of Biological Sciences and Sustainability** **School of Humanities, Social Sciences and Human Values** NEP-2020 के अनुसार Major, Minor, Multidisciplinary, SEC, AEC, VAC आदि का परिचय (प्रोफेसर सुखनन्दन सिंह, डॉ. सौरभ मिश्र एवं अन्य NEP

उन्मुखीकरण कार्यक्रम 2024

प्रथम दिवस, 23 जुलाई 2024

देव संस्कृति विश्वविद्याय में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस की शुरुआत इस प्रकार हुई-

1. प्रातः प्रार्थना- नए सत्र के बच्चों की दिनचर्या सुबह प्रार्थना से शुरू की गई। जिसमें की सभी विद्यार्थी सुबह 4:50 तक हॉस्टल के ग्राउंड में उपस्थित होकर सभी ने सम्मलित रूप से एक साथ प्रातः प्रार्थना की और अपने दिनचर्या की शुरुआत की।

2. ध्यान-साधना - परमपूज्य गुरुदेव की आवाज में छात्र छात्राओं ने 24 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण एक साथ एक स्वर में किया तत्पश्चात उगते हुए सविता देवता का ध्यान आधे घंटे तक किया साथ ही ओम का उच्चारण करा।

3. योगाभ्यास - सभी विद्यार्थियों ने ध्यान के बाद योग के क्रम को पूरा किया जिसमें सभी ने कई प्रकार के आसान प्राण्याम किया और खुद को जागृत किया।

4. प्रभात फेरी - इस क्रम में विद्यार्थियों ने देसंविवि के पूरे कैंपस का नारा लगाते हुए चक्कर लगाया। और खुद को एक आदर्श विद्यार्थी की ओर बनने का भी संकल्प लिया।

5. यज्ञ- प्रभात फेरी पूरी करने के बाद छात्र छात्राओं ने बरी की कुशलता के साथ अपने अपने ग्रुप के अनुसार गायत्री मंत्र की आहुतियां के साथ यज्ञ के क्रम को पूरा किया और खुद को ओजोमय किया।

6. महाकाल दर्शन - यज्ञ के क्रम के पश्चात छात्र-छात्राओं ने क्रमबद्ध तरीके से प्रगेश्वर महाकाल के ऊपर जल अर्पण किया और थोड़ी देर वहां बैठ महाकाल ध्यान किया, जिससे वो खुद में सुगढ़ता का अनुभव किया ।

प्रातः के दिनचर्या के पश्चात् 11:30 से से यथावत कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। सभी विद्यार्थियों ने मृत्युंजय सभागृह में प्रार्थना कर अगले कार्यक्रम की और प्रस्थान की जो की निम्न हैं-

7. विषय- सफल जीवन की दिशा धारा, माननीय कुलपति जी द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन-

सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत माननीय कुलपति द्वारा की गई। जिसमें की सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिवस के इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप में माननीय कुलपति आए जिनका मुख्य विषय सफल जीवन की दिशा धारा के ऊपर रहा, इसके अंतर्गत सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को सफल जीवन के कारक और किन गुणों को अपने अंदर विकसित करने हैं उस पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया की सफल जीवन के लिए मनुष्य को अपने व्यक्तित्व विकसित करने की जरूरत है, अगर यह सवर जाए तो एक सफल इंसान मनुष्य बन सकता है।

जैसा हमारा विचार, सोचने-समझने की क्षमता होती है वही हमारे व्यक्तित्व का निर्धारण करती है। और हमारे विचार कैसे हैं ये सिर्फ हमें खुद ही पता होता है कि हम खुद कैसे हैं। अगर यह विचार अच्छे और सच्चे हो तो मनुष्य सशक्त व्यक्तित्व को उभार पाने में सक्षम हो पाता है। किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके गुण, कर्म, स्वभाव और चिंतन पर ही निर्भर करता है। जिसने अपने अंदर इन गुणों को विकसित कर लिए वही सच्चे अर्थों में एक सफल मनुष्य की दिशा धारा को पूर्ति कर सकता है। जैसा हमारा चरित्र होगा वैसा ही व्यवहार होगा फिर वैसे व्यक्तित्व अंदर से उभर कर आयेंगे।

प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर मूलतः एक दैवीय गुणों को लेकर आया है बस इसे उभारने की जरूरत है इसके लिए पहले अपने आप को समझने की जरूरत है कि आखिर हम हैं क्या? हमारे अंदर कैसे विचार हैं। अपने भीतर पात्रता का विकास करना और यही पात्रता महानता कहलाती है। जिस व्यक्ति का मन निर्मल हैं मन में कयास-कलमश न हो, सच्चे अर्थों में पवित्रता उनके अंदर ही भरी होती है।

विद्यार्थी के अनुसार हमारे जीवन का उद्देशय पढ़ाई करना और अपने आप को दिन-प्रतिदिन अपग्रेड करना होना चाहिए। सत्यता की पहचान करने की समझ होनी चाहिए। उसके विपरीत हमें जो दिखाया जाता है, बताया जाता है हम उसे ही सच मान लेते हैं। ईश्वर ने मनुष्य को सबसे बड़ी चीज दी है वो है समय। हमें जो समय मिला है हम उसका सद्पयोग करें। अपने समय को सृजन के कार्य में लगाना उपकार की भावना से रहित किसी की मदद करना यही समयदान है। अपने विचारों को एक क्रांति के रूप में बदलने से मनुष्य स्वतः ही बदल जाता हैं।

8. अखिल विश्व गायत्री परिवार एवम देव संस्कृति विश्वविद्यालय का परिचय- डॉ. इप्सित प्रताप सिंह जी

सभी नवीन छात्र-छात्राओं को पंडित श्रीराम शर्मा जी के विषय में और गायत्री परिवार के विषय में बताया गया। मिशन का उद्देश्य, देश और विदेशों में इसकी शाखाएं कहां-कहां है। कौन-कौन से कार्य इनके द्वारा किए जा रहे हैं इन सभी से अवगत कराया गया। उसके बाद देसंविवि के विषय में बताया। इस विश्वविद्यालय की स्थापना करने के पीछे परम पूज्य गुरुदेव के क्या उद्देश रहे इसके पीछे की सोंच क्या है, साथ ही पूरे कैंपस की जानकारी दी। साथ ही देसंविवि के स्पेशल अट्रेक्शंन क्या-क्या हैं इन सारी बातों को बताया गया।

9. परिसर अनुशासन एवं आचार संहिता- डॉ. अश्विनी शर्मा जी

डॉ. अश्विनी शर्मा जी ने देसंविवि के अनुशासन से विद्यार्थियों को परिचत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यार्थियों को किन-किन बातों का ध्यान रखना है।

10. सुरक्षा- डॉ. अरुणेश पराशर

इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। जिसके अंतर्गत सुरक्षा विभाग का परिचय, कार्य विभाजन, प्रतिबंधित जगहों से अवगत कराया। वेश भूषा को ले कर बातें भी बताया। मोबाइल फोन को लेकर किन नियमों का पालन करना है इससे अवगत कराया गया। साथ कोई दिक्कत हो तो क्या करनी है इत्यादि जानकारियां दीं गई।

11. एनसीसी- श्री पवन रजोरिया जी

सर ने सभी विद्यार्थियों को एनसीसी उद्देशय बताया। इसका उद्देश है समाज सेवा, मिलजुलकर कार्य करना, अनुशासन ही इसका मुख्य उद्देशय है। साथ ही फॉर्म फिलअप करने से लेकर एनसीसी कैडेट बनने तक की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी।

12. स्काउट एंड गाइड - श्री मंगल सिंह गढ़वाल जी

स्काउट गाइड के उद्देश को लेकर विद्यार्थियों से चर्चा की और बताया की इसकी मदद से कैसे समाज को एक श्रेष्ठ नागरिक मिल सकता है। साथ इससे हम चरित्र निर्माण, समाज निर्माण और धार्मिकता को बढ़ावा दे सकता हैं। जीवन में आने वाली चुनौतियों को स्वीकारने की क्षमता विपरीत परिस्थितियों में, आपातकालीन समय में कैसे खुद को सवारें। इन विषयों पर जानकारियां दी गई।

13. खेल विभाग- श्री नरेंद्र तोमर जी

खेल विभाग प्रमुख ने बताया कि किस प्रकार खेल हमारे जीवन में एक अहम भूमिका निभाती है। साथ ही बताया कि जो समर्पण करते हैं उन्हें ही कुछ जीवन में हासिल हो पाता है। खेल के उद्देश में बताया की खेल हम चैंपियन बनने के लिए नहीं खेलते हैं बल्कि स्वंग को सिद्ध करने के लिए खेलते हैं। साथ ही उनके साथ उपस्थित खेल विभाग के स्टाफ सदस्यों से अवगत कराया। विद्यार्थियों खेल से जुड़ी केअअ में होने वाली कब्बड्डी, जुड़ो, कुश्ती और उत्शव जैसी विभिन्न प्रकार के बातों से अवगत कराया गया।

14. सांस्कृतिक प्रकोष्ठ- डॉ. भजमन बाग

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से जुड़ी जानकारियों के लिए डॉ. भजमन ने यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को लोकरंजन से लोकमंगल के दिशा धारा से अवगत कराया। साथ ही इसके द्वारा आयोजन किए जाने वाले सभी त्यौहारों में किए संस्कृति कार्यक्रमों से अवगत कराया।

15. IRO, Baltic Centre, SAIPR, international office-
डॉ. ज्योति मालवी, वसुंधरा सारस्वत

डॉ. ज्योति मालवी, वसुंधरा सारस्वत ने बताया की किस प्रकार विद्यार्थी इनसे जुड़ सकते हैं, वोलंटियरिंग प्रोग्राम जिसके अंतर्गत चलने वाली वर्कशॉप, सेमिनार में अपना योगदान दे सकते हैं। देसंविवि में 90 से ज्यादा एमओयू साइन हैं, उनके विषय में बताया। तत्पश्चात बाल्टिक सेंटर जिसके अंतर्गत आने वाले तीन देश लिथवानिया, लातविया और लुथवानिया के विषय में बताया जिसके अंतर्गत विद्यार्थी इन देशों के भाषाएं सीख सकते हैं, साथ ही स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम का दिशा बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह भी परम पूज्य गुरुदेव के विजन पर ही आधारित है जिसके अंतर्गत हम न केवल देश बल्कि विदेशों में भी भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किस प्रकार फैला पाएं।

16. इनक्यूबेशन सेंटर- डॉ ज्वलंत भावसार, श्री निश्छल राय

विद्यार्थियों को इनकी भी जानकारी दी गई किस प्रकार वो इस सेंटर से जुड़ सकते हैं साथ ही बेसिक स्किल्स से जुड़ी चर्चाएं की गई। विद्यार्थियों को इनोवेशन और इन्वेंशन में अंतर भी समझाया और क्रिएटिव आइडियाज भी जो विद्यार्थी शेयर करना चाहते उसके लिए भी उन्होंने विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मार्केटिंग स्ट्रेटजी, इन्वेस्टमेंट टेक्नीक की जानकारी दी गई।

17. सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च- डॉ. नील मणि

डॉ. नील मणि ने सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च की महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किस प्रकार अपने काम को आसान बना सकते हैं। और उसके सही उपयोग से सबको अवगत कराया साथ हीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस माध्यम से भी उसकी विस्तृत जानकारियां दी गईं।

18. याज्ञवल्क्य सेंटर फॉर यज्ञ रिसर्च- डॉ विरल पटेल, डॉ. देवाशीष

देसंविवि में चल रहे याज्ञवल्क्य सेंटर फॉर यज्ञ रिसर्च के विषय में विस्तृत जानकारियां दी गई। यहां यज्ञ संबंधि चल रहे विभिन्न शोध बताया गया। याज्ञवल्क्य सेंटर फॉर यज्ञ रिसर्च द्वारा चल रहे विभिन्न गतिविधियों से भी अवगत कराया गया।

19. School of Indology-NEP 2020-

प्रो. सुखनंदन सिंह, प्रो. सुरेश वर्णवाल, डॉ. सौरभ मिश्रा, डॉ. अरूणेश पराशर

एनईपी के अंतर्गत आनेवाली विभिन प्रकार के विषय जो विद्यार्थियों को पढ़ना अनिवार्य है उसको विस्तृत रूप से बताने के लिए प्रो. सुखनंदन शर्मा, डॉ. सौरभ मिश्र एवम अन्य एनईपी सदस्य उपस्थित रहे और इसकी व्याख्या सभी नवीन सत्र के स्नातक के विस्यार्थियों से की गई जिसमें माइनर, मल्टी डिसिप्लिनरीएम्ब्ए।म्ब्एट।ब् के अंतर्गत पढ़ने वाली विषयों से अवगत कराया गया। आज कीयह जानकारी केवल स्कूल ऑफ इंडोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए रखी गई थी।

द्वितीय दिवस, 24 जुलाई 2024

1. प्रातः प्रार्थना- नए सत्र के बच्चों की दिनचर्या सुबह प्रार्थना से शुरू की गई। जिसमें की सभी विद्यार्थी सुबह 4:50 तक हॉस्टल के ग्राउंड में उपस्थित होकर सभी ने सम्मलित रूप से एक साथ प्रातः प्रार्थना की और अपने दिनचर्या की शुरुआत की।

2. ध्यान-साधना - परमपूज्य गुरुदेव की आवाज में छात्र छात्राओं ने 24 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण एक साथ एक स्वर में किया तत्पश्चात उगते हुए सविता देवता का ध्यान आधे घंटे तक किया साथ ही ओम का उच्चारण करा।

3. योगाभ्यास - सभी विद्यार्थियों ने ध्यान के बाद योग के क्रम को पूरा किया जिसमें सभी ने कई प्रकार के आसान प्राण्याम किया और खुद को जागृत किया।

4. प्रभात फेरी - इस क्रम में विद्यार्थियों ने देसंविवि के पूरे कैंपस का नारा लगाते हुए चक्कर लगाया। और खुद को एक आदर्श विद्यार्थी की ओर बनने का भी संकल्प लिया।

5. यज्ञ- प्रभात फेरी पूरी करने के बाद छात्र-छात्राओं ने कुशलता के साथ अपने-अपने ग्रुप के अनुसार गायत्री मंत्र की आहुतियां के साथ यज्ञ के क्रम को पूरा किया और खुद को ओजोमय किया।

6 महाकाल दर्शन - यज्ञ के क्रम के पश्चात छात्र-छात्राओं ने क्रमबद्ध तरीके से प्रगेश्वर महाकाल के ऊपर जल अर्पण किया और थोड़ी देर वहां बैठ महाकाल ध्यान किया, जिससे वो खुद में सुगढ़ता का अनुभव किया ।

7. विषय- जीवन विद्या का आलोक केन्द्र देसंविवि, माननीय कुलसचिव जी द्वारा विद्यार्थीयों को मार्गदर्शन-

नवीन सत्र के सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए माननीय श्री बलदाऊ देवांगन जी ने बताया की यह क्षण हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य भरा क्षण है, उज्जवल भविष्य का यह पल यह एक असाधरण पल है, जिसमें हम चाहें स्वयं को गढ़कर कुशल नागरिक की दिशा धारा से जोर सकते हैं। जिंदगी वह नहीं, जो हमें मिली, जिंदगी तो वह है जिसे हम बनाते हैं। अपने कुशल आचरण, अपनी विचार धारा के माध्यम द्वारा। देवसंस्कृति हमारी मां है, आत्म-अनुशासन रख कर हम एक रूप से उसका समान करते हैं। सच्चा विद्यार्थी वहीं है, जो विद्या का अर्जन कर अपने आप को सुगढ़ बनाए और सही पाठ पर चल समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी बनाए।

8. विश्वविद्यालय भ्रमण-

माननीय कुलसचिव जी के उद्बोधन के बाद सभी नवागंतुक छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के ब्राह्मण पर ले जाया गया उन्हें देसंविवि के भोजनालय, खेलकूद विभाग, डाक घर, एटीएम, वेदशाला, प्राकृतिक आहार केंद्र, साहित्य केंद्र, पर्णकुटी, पुस्तकालय, कमर्शियल लैब, परिसम्पति विभाग, हेल्थ सेंटर, बाल्टिक सेंटर, स्वावलंबन केंद्र, आयुर्वेद एवं समग्र स्वास्थ्य विभाग, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म, धनवंतरी वाटिका, यज्ञ रिसर्च सेंटर, शांतिकुंज फार्मेसी, संस्कृति ट्रेवल्स, सृजना जैसे जगह का भ्रमण और उसके विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई।

9. छात्र कल्याण विभाग - देंसविवि में विद्यार्थी कल्याणपरक सुविधाएँ

छात्र कल्याण विभाग से श्रीमती नीलम शर्मा ने नवीन सत्र के समस्त छात्र-छात्राओं को छात्र कल्याण विभाग से अवगत कराया जिसे उन्होंने बताया कि विद्यार्थी गण इसमें अपनी व्यक्तिगत समस्याएं कोई भी परिस्थिति जिससे वह असंतुष्ट हैं चाहे वह पारिवारिक समस्याएं हो या उनमें कोई अच्छाई हो जिसे वह उभरना चाहते हैं ऐसी जुड़ी हर चीजों के लिए वह छात्र कल्याण विभाग से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्र कल्याण विभाग विद्यार्थियों के लिए ही बनाया गया है उसके नाम से ही स्पष्ट होता है कि वैसे विभाग जो छात्रों के कल्याण के लिए बनाया गया है उनकी जुड़ी हर समस्याएं चाहे वह व्यक्तिगत समस्याएं हो चाहे किसी भी तरह की समस्याएं।

10. स्वास्थ्य वितृत एवं स्वास्थय सेवाएँ- डॉ अल्का मिश्रा

स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने के लिए डॉक्टर अलका मिश्रा सभी विद्यार्थियों को अपना परिचय दिया साथ ही यह भी बताया कि स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए वह आयुर्वेद विभाग से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने सभी तरह के स्वास्थ्य सेवाओं से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया जैसे कि हेल्थ केयर सेंटर आयुर्वेद पूरक एवं वैकल्पिक चिकित्सा, प्राणिक हीलिंग इत्यादि। साथ ही छात्र-छात्राओं को शांतिकुज अस्पताल से भी अवगत कराया किसी भी तरह की गम्भीर समस्या होने पर छात्र-छात्राओं को शांतिकुंज शताब्दी चिकितसालय भेजा जाता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि छात्र-छात्राओं यदि किसी भी ऐसी बीमारी से जूझ रहे हो जो उन्हें पहले से है तो उसकी पूरी रिपोर्ट उनके पास होनी चाहिए, ताकि चिकित्सा के क्रम में विद्यार्थियों का जल्द से जल्द इलाज हो सके और वह स्वस्थ हो सके।

11. सटूडेंट कल्ब -डॉ ऋतुध्वज सिंह

ऋतुध्वज जी ने सभी विद्यार्थियों को इससे अवगत कराया। उन्होंने बताया की यह क्लब विद्यार्थियों के द्वारा विद्यार्थियों के लिए किए जाने वाला एक इनीशिएटिव है। इसकी संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को पीपीटी के माध्यम से दी गई। साथी उनके विभाग के अनुकूल वह कौन से क्लब में ज्वाइन हो सकते हैं इसकी उन्होंने संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को दी और विद्यार्थी चाहिए तो अपनी रुचि के हिसाब से किसी भी क्लब में ज्वाइन हो सकते हैं। अपनी इनीशिएटिव दिखाकर अपने आप को निखारने का एक सुनहरा अक्सर स्टूडेंट क्लब सभी विद्यार्थियों को प्रदान करता है।

12. परीक्षा विभाग- डॉ अरुणेश पराशर, डॉ संतोष विश्वकर्मा

परीक्षा विभाग के प्रमुख डॉक्ट अरुणेश पाराशर सभी विद्यार्थियों को परीक्षाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जिससे जुड़ी अटेंडेंस को लेकर अवकाश से जुड़ी सभी नियम एवं शर्तों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथियों ने स्नातक के विद्यार्थियों को दमच से जुड़ी जो भी महत्वपूर्ण जानकारियों से उन्होंने अवगत करवाया।

13. सोशल इंटर्नशिप- श्री विनय केसरी जी एवं टीम

विश्वविद्यालय का सबसे महत्वपूर्ण विभाग सोशल इंटर्नशिप विभाग जिससे अवगत कराने के लिए श्री विनय केसरी जी एवं उनकी टीम ने बताया की सभी अध्यनरत विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूरी करने से पहले एक महीने के लिए सोशल इंटर्नशिप पर जाते हैं जिसमें वह समाज सेवा के रूप में घर-घर यज्ञ करवाना उद्बोधन देना लोगों की समस्याएं जानना और स्वयं के स्तर से उनकी सहायता करना साथ ही पांच वृक्ष लगाने का जो क्रम है उससे भी अवगत कराया। अगर विद्यार्थी को डिग्री है पाना तो पांच वृक्ष अवश्य है लगाना।

14. रूपांतरण विभाग- डॉ पियूष त्रिवेदी

छात्राओं को रूपांतरण विभाग से अवगत करने के लिए डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी ने छात्रों को रूपांतरण विभाग की संपूर्ण जानकारियां दी जिसमें छात्र-छात्राएं अपना काउंसलिंग करवा सकते हैं अपनी समस्याएं लेकर आ सकते हैं और उसका हल प्राप्त कर सकते हैं।

15. करियर गाइडेंस सेंटर- डॉ इप्सित प्रताप सिंह एवं टीम

करियर गाइडेंस सेंटर की विस्तृत जानकारी देने हेतु डॉक्टर इप्सित प्रताप सिंह प्रताप सिंह और सहयोगी भी वहां उपस्थित रहें और उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि करियर गाइडेंस सेंटर विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर की आगे उन्हें क्या करना है कैसे सिविल सर्वेंट की तैयारी कर सकें कैसे खुद का स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं करियर से जुड़ी हर समस्याओं के लिए यह सेंटर समय-समय पर वर्कशॉप करवाता है और विद्यार्थीगंज से लाभान्वित होते हैं।

16. जीवन प्रबंधन- श्री संदीप कुमार जी

विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण विभाग जीवन प्रबंधन विभाग जो सभी विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन करना अनिवार्य है। श्री संदीप कुमार ने विद्यार्थियों को जीवन प्रबंधन और उसके महत्व से अवगत कराया कि किस प्रकार विद्यार्थी अपने जीवन को सही मार्ग में लाकर कैसे एक नागरिक के पद पर चल स्वयं को संवार सकता है। जीवन प्रबंधन का अर्थ है समय प्रबंधन अर्थात जिसने समय का प्रबंध कर लिया वह व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य को बड़ी ही सरलता से का सकता है। साथियों उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से मजबूत रहना चाहिए जिससे उनके प्राण संरक्षित हो सकते हैं छोटे-छोटे कार्यों से ही जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

17. मानवीय उत्कर्ष- माननीय प्रतिकुलपति जी का विडियो संदेश

परम आदरणीय प्रति कुलपति जी द्वारा मानवीय उत्कर्ष विषय पर सभी नवागंत विद्यार्थियों को एक वीडियो क्लिप दिखाई गई जिसमें दिखाया गया कि मनुष्य अपने जीवन में कई संभावनाओं को लेकर आ सकता है। मनुष्य का जन्म अनेक संभावनाओं के साथ हुआ है जिसमें वह चाहे तो एक कुशल व्यक्तित्व के रूप में निखार सकता है और चाहे तो खुद को उंगली माल जैसे रूप में भी पा सकता है। अभी मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह किस पथ का चयन करे। मानवी उत्कर्ष का अर्थ है मनुष्य के अंदर जो दिव्य चेतनाएं हैं उसे जागृत करना और सच्ची और सही कार्य में लगाना।

18. School of Techonology, Communication and Management -NEP 2020 प्ररोफेसर सुखनंदन सर, डॉ सौरभ मिश्र एवं अन्य NEP समिति सदस्य

एनईपी के अंतर्गत आनेवाली विभिन प्रकार के विषय जो विद्यार्थियों को पढ़ना अनिवार्य है उसको विस्तृत रूप से बताने के लिए प्रो. सुखनंदन शर्मा, डॉ. सौरभ मिश्र एवम अन्य एनईपी सदस्य उपस्थित रहे और इसकी व्याख्या सभी नवीन सत्र के स्नातक के विस्यार्थियों से की गई जिसमें माइनर, मल्टी डिसिप्लिनरीए एनईपी के अंतर्गत पढ़ने वाली विषयों से अवगत कराया गया।

19. आरती, नादयोग साधना- प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर

अंततः विद्यार्थियों ने प्रज्ञेश्वर महादेव में आरती का क्रम पूरा किया उसके पश्चात नादयोग की साधना किया, आखिर में वॉल ऑफ हीरोज के समक्ष राष्ट्रीय गान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

तृतीय दिवस/ समापन दिवस 25 जुलाई 2024

1. प्रातः प्रार्थना- नए सत्र के बच्चों की दिनचर्या सुबह प्रार्थना से शुरू की गई। जिसमें की सभी विद्यार्थी सुबह 4:50 तक हॉस्टल के ग्राउंड में उपस्थित होकर सभी ने सम्मलित रूप से एक साथ प्रातः प्रार्थना की और अपने दिनचर्या की शुरुआत की।

2. ध्यान-साधना - परमपूज्य गुरुदेव की आवाज में छात्र छात्राओं ने 24 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण एक साथ एक स्वर में किया तत्पश्चात उगते हुए सविता देवता का ध्यान आधे घंटे तक किया साथ ही ओम का उच्चारण करा।

3. योगाभ्यास - सभी विद्यार्थियों ने ध्यान के बाद योग के क्रम को पूरा किया जिसमें सभी ने कई प्रकार के आसान प्राण्याम किया और खुद को जागृत किया।

4. प्रभात फेरी - इस क्रम में विद्यार्थियों ने देसंविवि के पूरे कैंपस का नारा लगाते हुए चक्कर लगाया। और खुद को एक आदर्श विद्यार्थी की ओर बनने का भी संकल्प लिया।

5. यज्ञ- प्रभात फेरी पूरी करने के बाद छात्र-छात्राओं ने कुशलता के साथ अपने-अपने ग्रुप के अनुसार गायत्री मंत्र की आहुतियां के साथ यज्ञ के क्रम को पूरा किया और खुद को ओजोमय किया।

6. शांतिकुंज भ्रमण - नवागंतुक सभी विद्यार्थियों को शांतिकुंज के भ्रमण हेतु ले जाया गया उससे पूर्व मां गंगा के दर्शन उसके पश्चात श्रद्धेया जीजी से आशीर्वाद प्राप्त की, अखण्ड दीप दर्शन, समाधि स्थल, सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा दर्शन, गायत्री माता मंदिर, भटका हुआ देवता, तथा देवात्मा हिमालय जैसी जगहों पर छात्र-छात्राओं को ले जाया गया। साथ ही पूरे शांतिकुंज का भ्रमण कराया गया और उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों की जो जिज्ञासाएं थी उन्हें भी शांत किया गया। तत्पश्चात सभी ने माता जी के चौके शांतिकुंज भोजनालय में ही भोजन कर विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान किया।

7. प्रतिकुलपति जी संबोधन - मानवीय उत्कर्ष प्रतिकुलपति जी द्वारा विद्यार्थीयों को मार्गदर्शन

आदरणीय प्रति कुलपति जी की मानवीय उत्कर्ष के ऊपर वीडियो दिखाई गई थी उसी के संदर्भ में विद्यार्थियों के मन में उठने वाले प्रश्नों का हल प्रतिकुलपति जी ने किया। साथ ही उन्होंने बताया की जो भी विद्यार्थी अपने जीवन में अच्छा करना चाहते हैं तो उसके लिए उन्हें कष्टों उठाना ही पड़ेगा, तभी जीवन में महानता के क्षण आते हैं, जिसपर व्यक्ति गर्व स्वाभिमान कर सके। मार्गदर्शित करते हुए बताया की भविष्य गढ़ने का सबसे सुनहरा समय हमारा विद्यार्थी जीवन ही होता इस समय जो कष्टों से, कठिनायों से जी चुराते हैं उन्हें जीवन भर कठिनायों से गुजरना पड़ता है। मनुष्य का व्यक्तित्व भी उसके सच्चे कर्मों, निस्वार्थ भाव से किए कर्मों से हीं संवरता और निखरता है।

8. एलुमनाई वीडियो मैसेज

छात्र-छात्राओं के उत्साह वर्धन और उन्हें जीवन आगे बदने के उद्देशय से पूर्व अध्यनरत विद्यार्थियों का मैसेज सुनाया गया और नवीन छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शीत किया गया। जिसमें एल्यूमनीज ने बताया की देसंविवि में पढ़ाई करना कितने सौभाग्य की बात है, जहां विद्यार्थियों शिक्षा के साथ-साथ विद्या भी दी जाती है। साथ ही उन्हें खूब सारा प्रेम उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाइयां दी।

9. एनएसएस- डॉ प्रखर सिंह पाल

एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रखर सिंह पाल ने विद्यार्थियों को एनएसएस के बारे में जानकारी दी की की यह क्या होता है और विद्यार्थी इसमें कैसे भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया की 1969 में इसकी शुरुआत महात्मा गांधी जी के द्वारा की गई थी। साथ ही बताया की यह प्रोग्राम राष्ट्र और समाज के सेवा करने के लिए विद्यार्थियों को कैंप पे भेजा जाता है जिसके अंतर्गत सात दिवसीय कैंप तथा नेशनल कैंप में भी विद्यार्थी जाते हैं।

10. क्विज

सभी नए छात्र छात्राओं को तीन दिवसीय के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में जी भी चीजें दिखाई बताए गई विश्वविद्यालय, शांतिकुंज भ्रमण के दौरान उस से जुड़े कुछ प्रश्न पूछे गए और सही जवाब देने वाले विद्यार्थियों परम पूज्य गुरुदेव की लिखित पुस्तक, पुरस्कार स्वरूप दी गई। इससे उनके अंदर ग्रहण करने की क्षमताओं को भी परखा गया कि विद्यार्थियों ने कितना ग्रहण किया।

11. दीप यज्ञ

कार्यक्रम का समापन करते हुए दीप यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें आरती चालीसा भजन कीर्तन की गई। और छात्र-छात्राओं ने हर्षो उलास के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। साथ ही विद्यार्थीयों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद एवं मंगलकामनाएँ दी गई।

12. School of Bioligical Science and Sustainability and School of Humanities, Social Science and Human Values - NEP 2020
प्ररोफेसर सुखनंदन सर, डॉ सौरभ मिश्र एवं अन्य NEP समिति सदस्य

एनईपी के अंतर्गत आनेवाली विभिन प्रकार के विषय जो विद्यार्थियों को पढ़ना अनिवार्य है उसको विस्तृत रूप से बताने के लिए प्रो. सुखनंदन शर्मा, डॉ. सौरभ मिश्र एवम अन्य एनईपी सदस्य उपस्थित रहे और इसकी व्याख्या सभी नवीन सत्र के स्नातक के विस्यार्थियों से की गई जिसमें माइनर, मल्टी डिसिप्लिनरीए एनईपी के अंतर्गत पढ़ने वाली विषयों से अवगत कराया गया।

आज की एनईपी की यह जानकारी केवल स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस एंड डस स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस एंड ह्यूमन वैल्यूज विद्यार्थियों के लिए रखी।

13. फीड बैक

अंततः कार्यक्रम समापन के पश्चात छात्र-छात्राओं से फीड बैक ली गई। जिसमें विद्यार्थियों ने तीन दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत जो सीखा, कितना जाना विश्वविद्यालय के बारे में ये सारी चीजें उन्होंने व्यक्त की विद्यार्थियों का कहना है, उन्हें यह कार्यक्रम बहुत ही सकारात्मक लगा, और साथ ही उनकी जो दिनचर्या भी पहले से बदल गई। सुबह में उठकर उन्हें जो अनुभव हुआ वह उनके लिए अत्यधिक फलदाई सिद्ध हुआ। साथ ही स्फूर्ति और ओजोमय बनाए रखा। छात्र-छात्राओं का कहना है, उन्होंने जैसा विश्वविद्यालय के बारे में सुना वैसा ही पाया, और खुद में उन्हें इस तीन दिवसीय कार्यक्रम से बहुत अच्छा लगा और अत्यधिक सकारात्मकता का अनुभव किया। अंत में छात्र-छात्राओं को एक फीड बैक फॉर्म दिया गया कुछ प्रश्न थे जिसके अनुभव से जुड़े कई प्रकार के प्रश्न दिए गए, साथ ही उनके मन में अगर कोई जिज्ञासा या सुझाव हो तो वह भी उनसे भरवाया गया। छात्र-छात्राओं ने लिखित और मौखिक दोनों ही रूप से अत्यधिक उत्साहित, प्रसन्न, संतुष्ट एवं सकारात्मक रहें।

फीड बैक

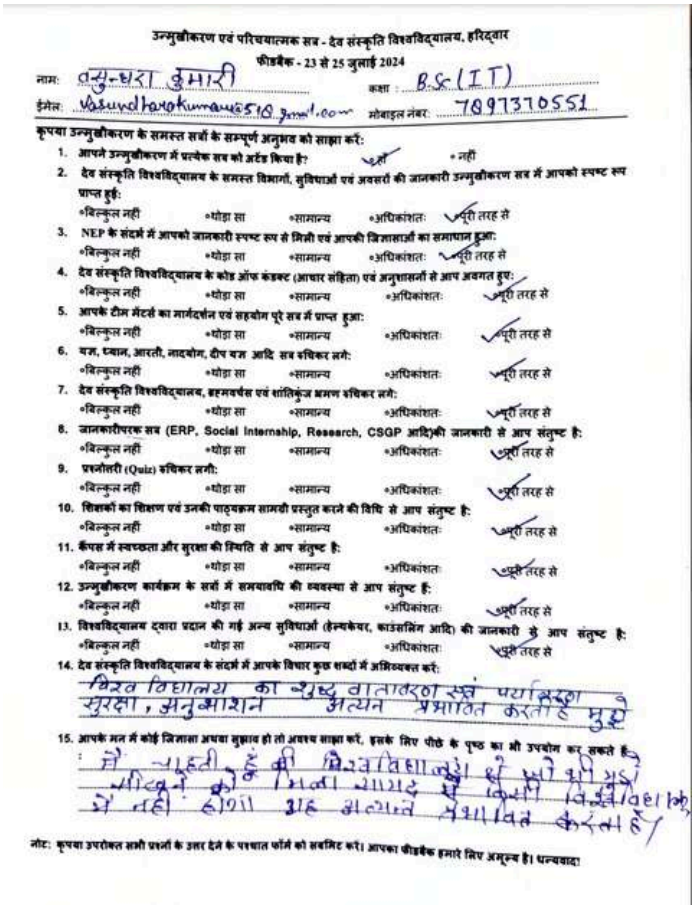

उन्मुखीकरण एवं परिचयात्मक सत्र - देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

फीडबैक - 23 से 25 जुलाई 2024

नाम: वसुन्धरा कुमारी कक्षा: B.Sc (IT)

ईमेल: Vasundharakumari518 gmail.com मोबाइल नंबर: 7097370551

कृपया उन्मुखीकरण के समस्त सत्रों के सम्पूर्ण अनुभव को साझा करें:

1. आपने उन्मुखीकरण में प्रत्येक सत्र को अटेंड किया है? ✓हाँ •नहीं
2. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के समस्त विभागों, सुविधाओं एवं अवसरों की जानकारी उन्मुखीकरण सत्र में आपको स्पष्ट रूप प्राप्त हुई:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
3. NEP के संदर्भ में आपको जानकारी स्पष्ट रूप से मिली एवं आपकी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
4. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) एवं अनुशासनों से आप अवगत हुए:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
5. आपके टीम मेंटर्स का मार्गदर्शन एवं सहयोग पूरे सत्र में प्राप्त हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
6. यज्ञ, ध्यान, आरती, नादयोग, दीप यज्ञ आदि सब रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
7. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस एवं शांतिकुंज भ्रमण रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
8. जानकारीपरक सत्र (ERP, Social Internship, Research, CSGP आदि)की जानकारी से आप संतुष्ट है:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
9. प्रश्नोत्तरी (Quiz) रुचिकर लगी:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
10. शिक्षकों का शिक्षण एवं उनकी पाठ्यक्रम सामग्री प्रस्तुत करने की विधि से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
11. कैंपस में स्वच्छता और सुरक्षा की स्थिति से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
12. उन्मुखीकरण कार्यक्रम के सत्रों में समयावधि की व्यवस्था से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
13. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई अन्य सुविधाओं (हेल्थकेयर, काउंसलिंग आदि) की जानकारी से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
14. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संदर्भ में आपके विचार कुछ शब्दों में अभिव्यक्त करें:
    विश्व विद्यालय का शुद्ध वातावरण एवं पर्यावरण सुरक्षा, अनुशासन अत्यन्त प्रभावित करता है मुझे
15. आपके मन में कोई जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो अवश्य साझा करें, इसके लिए पीछे के पृष्ठ का भी उपयोग कर सकते है:
    मैं चाहती हूं की विश्वविद्यालयों में भी ऐसे शिक्षा को मिला जाएगा मैं किसी विश्वविद्यालय में नहीं होगा यह अत्यन्त प्रभावित करता है।

नोट: कृपया उपरोक्त सभी प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात फॉर्म को सबमिट करें। आपका फीडबैक हमारे लिए अमूल्य है। धन्यवाद!

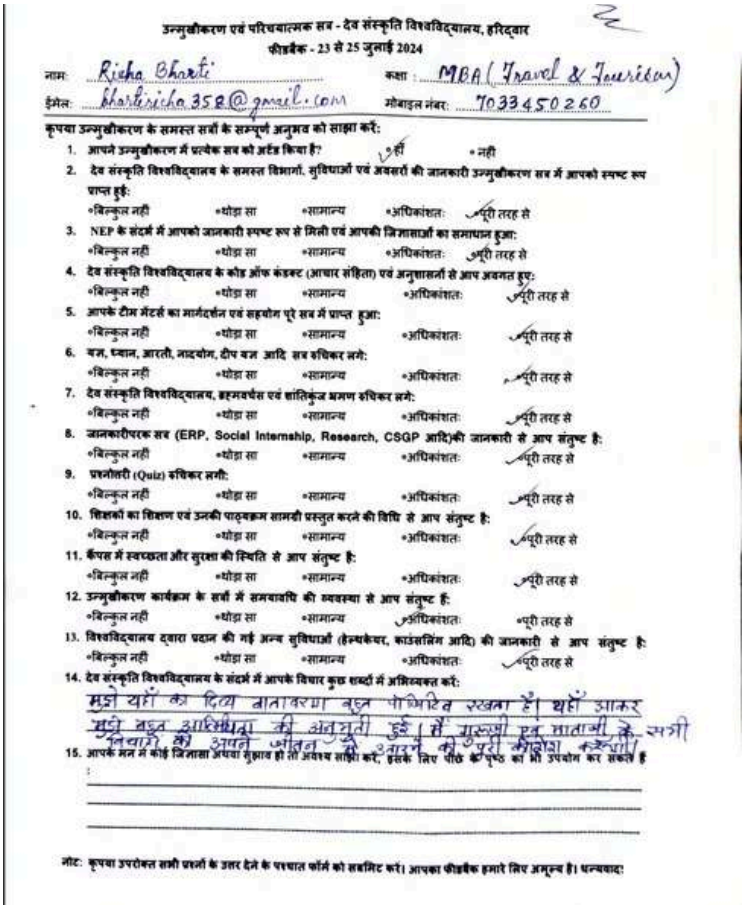

उन्मुखीकरण एवं परिचयात्मक सत्र - देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

फीडबैक - 23 से 25 जुलाई 2024

नाम: Richa Bharti कक्षा: MBA (Travel & Tourism)

ईमेल: bhartiricha358@gmail.com मोबाइल नंबर: 7033450260

कृपया उन्मुखीकरण के समस्त सत्रों के सम्पूर्ण अनुभव को साझा करें:

1. आपने उन्मुखीकरण में प्रत्येक सत्र को अटेंड किया है? ✓हाँ •नहीं
2. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के समस्त विभागों, सुविधाओं एवं अवसरों की जानकारी उन्मुखीकरण सत्र में आपको स्पष्ट रूप प्राप्त हुई:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
3. NEP के संदर्भ में आपको जानकारी स्पष्ट रूप से मिली एवं आपकी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
4. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) एवं अनुशासनों से आप अवगत हुए:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
5. आपके टीम मेंटर्स का मार्गदर्शन एवं सहयोग पूरे सत्र में प्राप्त हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
6. यज्ञ, ध्यान, आरती, नादयोग, दीप यज्ञ आदि सब रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
7. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस एवं शांतिकुंज भ्रमण रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
8. जानकारीपरक सत्र (ERP, Social Internship, Research, CSGP आदि)की जानकारी से आप संतुष्ट है:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
9. प्रश्नोत्तरी (Quiz) रुचिकर लगी:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
10. शिक्षकों का शिक्षण एवं उनकी पाठ्यक्रम सामग्री प्रस्तुत करने की विधि से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
11. कैंपस में स्वच्छता और सुरक्षा की स्थिति से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
12. उन्मुखीकरण कार्यक्रम के सत्रों में समयावधि की व्यवस्था से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य ✓अधिकांशत: •पूरी तरह से
13. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई अन्य सुविधाओं (हेल्थकेयर, काउंसलिंग आदि) की जानकारी से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
14. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संदर्भ में आपके विचार कुछ शब्दों में अभिव्यक्त करें:
    मुझे यहाँ का दिव्य वातावरण बहुत प्रभावित करता है। यहाँ आकर मुझे बहुत आत्मीयता की अनुभूति हुई। मैं गुरुजी एवं माताजी के सभी विचारों को अपने जीवन में उतारने की पूरी कोशिश करूंगी।
15. आपके मन में कोई जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो अवश्य साझा करें, इसके लिए पीछे के पृष्ठ का भी उपयोग कर सकते है:

नोट: कृपया उपरोक्त सभी प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात फॉर्म को सबमिट करें। आपका फीडबैक हमारे लिए अमूल्य है। धन्यवाद!

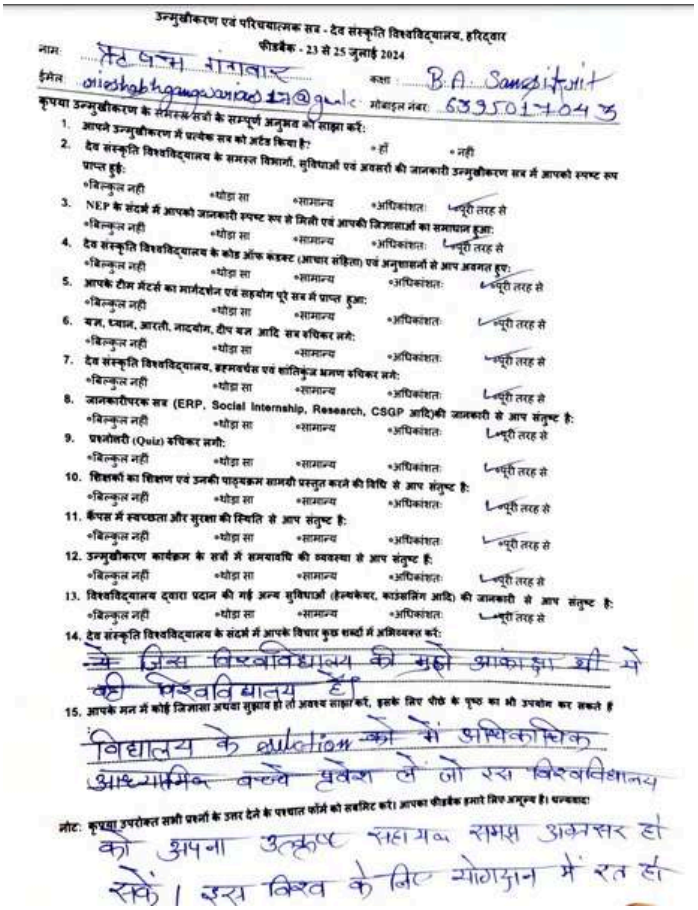

उन्मुखीकरण एवं परिचयात्मक सत्र - देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

फीडबैक - 23 से 25 जुलाई 2024

नाम: ऋषभ गंगवार कक्षा: B.A. Sanskrit

ईमेल: rishabhgangwar...17@gmail.c मोबाइल नंबर: 6395017043

कृपया उन्मुखीकरण के समस्त सत्रों के सम्पूर्ण अनुभव को साझा करें:

1. आपने उन्मुखीकरण में प्रत्येक सत्र को अटेंड किया है? •हाँ •नहीं
2. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के समस्त विभागों, सुविधाओं एवं अवसरों की जानकारी उन्मुखीकरण सत्र में आपको स्पष्ट रूप प्राप्त हुई:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
3. NEP के संदर्भ में आपको जानकारी स्पष्ट रूप से मिली एवं आपकी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
4. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) एवं अनुशासनों से आप अवगत हुए:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
5. आपके टीम मेंटर्स का मार्गदर्शन एवं सहयोग पूरे सत्र में प्राप्त हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
6. यज्ञ, ध्यान, आरती, नादयोग, दीप यज्ञ आदि सब रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
7. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस एवं शांतिकुंज भ्रमण रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
8. जानकारीपरक सत्र (ERP, Social Internship, Research, CSGP आदि)की जानकारी से आप संतुष्ट है:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
9. प्रश्नोत्तरी (Quiz) रुचिकर लगी:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
10. शिक्षकों का शिक्षण एवं उनकी पाठ्यक्रम सामग्री प्रस्तुत करने की विधि से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
11. कैंपस में स्वच्छता और सुरक्षा की स्थिति से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
12. उन्मुखीकरण कार्यक्रम के सत्रों में समयावधि की व्यवस्था से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
13. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई अन्य सुविधाओं (हेल्थकेयर, काउंसलिंग आदि) की जानकारी से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
14. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संदर्भ में आपके विचार कुछ शब्दों में अभिव्यक्त करें:
    जो जिस विश्वविद्यालय की मुझे आकांक्षा थी ये वही विश्वविद्यालय है।
15. आपके मन में कोई जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो अवश्य साझा करें, इसके लिए पीछे के पृष्ठ का भी उपयोग कर सकते है:
    विद्यालय के evolution को मैं अधिकाधिक आध्यात्मिक बच्चे प्रवेश लें जो इस विश्वविद्यालय

नोट: कृपया उपरोक्त सभी प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात फॉर्म को सबमिट करें। आपका फीडबैक हमारे लिए अमूल्य है। धन्यवाद!

को अपना उत्कृष्ट सहायक समझ अवसर हो सकें। इस विश्व के लिए योगदान में रत हों

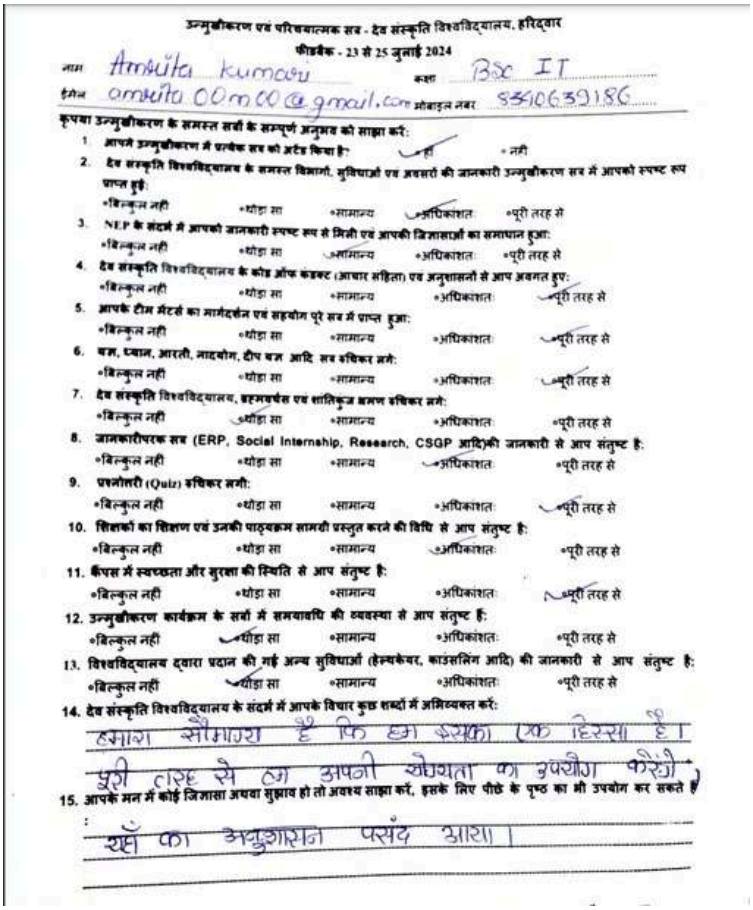

उन्मुखीकरण एवं परिचयात्मक सत्र - देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

फीडबैक - 23 से 25 जुलाई 2024

नाम: Amrita Kumari कक्षा: BSc IT

ईमेल: amrita00m00@gmail.com मोबाइल नंबर: 8340639186

कृपया उन्मुखीकरण के समस्त सत्रों के सम्पूर्ण अनुभव को साझा करें:

1. आपने उन्मुखीकरण में प्रत्येक सत्र को अटेंड किया है? ✓हाँ •नहीं
2. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के समस्त विभागों, सुविधाओं एवं अवसरों की जानकारी उन्मुखीकरण सत्र में आपको स्पष्ट रूप प्राप्त हुई:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य ✓अधिकांशत: •पूरी तरह से
3. NEP के संदर्भ में आपको जानकारी स्पष्ट रूप से मिली एवं आपकी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा ✓सामान्य •अधिकांशत: •पूरी तरह से
4. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कोड ऑफ कंडक्ट (आचार संहिता) एवं अनुशासनों से आप अवगत हुए:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
5. आपके टीम मेंटर्स का मार्गदर्शन एवं सहयोग पूरे सत्र में प्राप्त हुआ:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
6. यज्ञ, ध्यान, आरती, नादयोग, दीप यज्ञ आदि सब रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
7. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस एवं शांतिकुंज भ्रमण रुचिकर लगे:
   •बिल्कुल नहीं ✓थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: •पूरी तरह से
8. जानकारीपरक सत्र (ERP, Social Internship, Research, CSGP आदि)की जानकारी से आप संतुष्ट है:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य ✓अधिकांशत: •पूरी तरह से
9. प्रश्नोत्तरी (Quiz) रुचिकर लगी:
   •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
10. शिक्षकों का शिक्षण एवं उनकी पाठ्यक्रम सामग्री प्रस्तुत करने की विधि से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य ✓अधिकांशत: •पूरी तरह से
11. कैंपस में स्वच्छता और सुरक्षा की स्थिति से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं •थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: ✓पूरी तरह से
12. उन्मुखीकरण कार्यक्रम के सत्रों में समयावधि की व्यवस्था से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं ✓थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: •पूरी तरह से
13. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई अन्य सुविधाओं (हेल्थकेयर, काउंसलिंग आदि) की जानकारी से आप संतुष्ट है:
    •बिल्कुल नहीं ✓थोड़ा सा •सामान्य •अधिकांशत: •पूरी तरह से
14. देव संस्कृति विश्वविद्यालय के संदर्भ में आपके विचार कुछ शब्दों में अभिव्यक्त करें:
    हमारा सौभाग्य है कि हम इसका एक हिस्सा है। पूरी तरह से हम अपनी योग्यता का उपयोग करेंगे।
15. आपके मन में कोई जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो अवश्य साझा करें, इसके लिए पीछे के पृष्ठ का भी उपयोग कर सकते है:
    यहाँ का अनुशासन पसंद आया।

DSVV Orientation Program - 23rd to 25th July 2024
Volunteer List

S.No.	Name	Class-Semester	Scholar No.	Mobile No.	Email-ID
1	Prakhar Bhadauriya	BJMC-5th Sem.	2226013	8115485710	prakhar6013@gmail.com
2	Pragyeshwar Tiwari	BA English-5th Sem.	2238006	9118141934	pragyeshwartiwari18@gmail.com
3	Priyanshu	B.Sc. IT-5th Sem.	2228015	9643210094	priyanshusinghdsvv@gmail.com
4	Rahul Kanti Pal	M.Sc. Yog-3rd Sem.	23113019	9382516887	rahulkantipal2001@gmail.com
5	Himanshu Pargai	MA Hindu Studies 3rd Sem.	23114003	9084509986	harshuhimanshu5@gmail.com
6	Akshat Singh Tomar	BBA 5th Sem.	2227002	9617823288	akshatsinghtomar238@gmail.com
7	Sandeep Vishwakarma	BBA 5th Sem.	2227012	9118372855	sandeepsharma27069@gmail.com
8	Aaryan	B.Sc. IT-3rd Sem.	23144022	8791985799	aryantmr55@gmail.com
9	Agam Tyagi	BRS 5th Sem.	2230002	7302390354	vashutyagi1807@gmail.com
10	Abhay Sharma	BSc. IT 5th Sem.	2228002	9368789335	dsvv.abhi@gmail.com
11	Anjali	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154010	6396287683	anjalipal02005@gmail.com
12	Karishma	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154068	9770706895	chandrakiranchandra723@gmail.com
13	Sajal	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154047	9511830310	sanjaysevanand@gmail.com
14	Satakshi Shah	M.A. Yog 3rd Sem.	23045023	7037983337	shtakshishah35@gmail.com
15	Chandrika Thakur	M.Sc. Yog 3rd Sem.		8580905998	
16	Himani Rawat	M.A. Yog 3rd Sem.		9368647447	
17	Pooja Devi	MBA 3rd Sem.	23078007	7906520353	pd467091@gmail.com
18	Garima	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154022	9098997008	Prajapatigarima9a@gmail.com
19	Vishakha	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154061	9105670792	vishusaini0606@gmail.com
20	Aditi Saini	B.Sc. Yog 3rd Sem.	23154003	9758122565	aditisaini013@gmail.com
21	Neha Jindal	BAJMC 5th Sem.	2226012	9078633941	jindal51204neha@gmail.com
22.	Sangamitra	BAJMC 3rd Sem.	23149019	9334301148	Sangamitra.radha@gmail.com